परमाणु ऊर्जा केन्द्रीय विद्यालय, इन्दौर

कक्षा - सात **विषय - हिंदी**

पाठ - धृतराष्ट्र की चिंता

कार्य पत्रक-1

प्रश्न-1 धृतराष्ट्र ने संजय को विदुर को वापस लाने के लिए क्यों भेजा?

प्रश्न-2 धृतराष्ट्र ने विदुर को क्यों पांडवों के पास जाने को कह दिया?

प्रश्न-3 दुर्योधन के किस बात से महर्षि मैत्रेय बड़े क्रोधित हुए?

प्रश्न-4 श्रीकृष्ण ने द्रौपदी को सांत्वना देते हुए क्या कहा?

प्रश्न-5 पांडु के बेटे और द्रौपदी वन कैसे जा रहे थे?

प्रश्न-6 महर्षि मैत्रेय ने पांडवों की कुशलता के बारे में क्या कहा?

प्रश्न-7 किसने किससे कहा?

i. "धृतराष्ट्र अपनी भूल पर पछता रहे हैं। आप यदि वापस नहीं लौटेंगे, तो वह अपने प्राण छोड़ देंगे। कृपया अभी लौट चलिए।"

ii. "कुरुजांगल के वन में आपने मेरे प्यारे पुत्र वीर पांडवों को तो देखा होगा! वे कुशल से तो हैं।"

iii. "राजकुमार, तुम्हारी भलाई के लिए कहता हूँ, सुनो! पांडवों को धोखा देने का विचार छोड़ दो।"

iv. "इस तरह अपमानित होने के बाद मेरा जीना ही बेकार है। मेरा कोई नहीं रहा और आप भी मेरे न रहे!"

इति